# जीवाजी विश्वविद्यालय, ग्वालियर

*दिनांक 5 जून, 2010*

*प्रेस विज्ञप्ति*

## महाविद्यालयों की सम्बद्धता के लिए जीवाजी विश्वविद्यालय ने ठोस पहल प्रारम्भ की।

आज दिनांक 5 जून, 2010 को जीवाजी विश्वविद्यालय के भाण्डारकर सभागार कक्ष क्रमांकः 16 में अपरान्ह 3.30 बजे कुलपति जी की अध्यक्षता में उपरोक्त बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के समस्त संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष एवं निरीक्षण समितियों में सम्मिलित रहने वाले सदस्यों ने भाग लिया। प्रारम्भ में डॉ0 आनंद मिश्र की पहल पर आयोजित उपरोक्त बैठक की प्रस्तावना प्रस्तुत की गई। तद्उपरांत प्रो0 डी0सी0 तिवारी ने बैठक के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया तथा इस बात पर रोष व्यक्त किया कि निरीक्षण समिति द्वारा दी गई रिपोर्ट बिल्कुल नहीं बदलनी चाहिए। नियमानुसार नियुक्ति के संबंध में समिति बनना चाहिए। बैठक में उपस्थित लगभग 50 आचार्य बन्धुओं ने अपने-अपने विचार प्रकट किये। यह बात सामने आई कि सम्बद्धता से संबंधित नियमों का कड़ाई से पालन किया जाना चाहिए। सम्बद्धता के फार्मेट नये सिरे से तैयार करने के लिए माननीय कुलपति जी द्वारा तत्काल एक समिति बनाई गई, जिसमें प्रो0 के0 द्विवेदी, प्रो0 डी0सी0 तिवारी, प्रो0 राजीव जैन। यह दो सदस्य पूर्व में अधिष्ठाता, महाविद्यालयीन विकास परिषद् रह चुके हैं तथा एक वर्तमान में अधिष्ठाता, महाविद्यालयीन विकास परिषद् के पद पर हैं। सुझाव यह भी आया कि समिति जो भी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। उस रिपोर्ट का लिफाफा सीधे स्थायी समिति की बैठक में ही खुलना चाहिए और स्थायी समिति ही सम्बद्धता देने का निर्णय करेगी। प्रो0 राजीव जैन डी.सी.डी.सी. ने अपने विचार व्यक्त किये।

यह भी विचार आया कि निरीक्षण समय-समय पर होना चाहिए। स्पष्ट मुखरित रुप से जो विषय बहुमत के साथ सामने आया वह यह था कि सभी महाविद्यालयों को वेवसाईट पर अपनी जानकारी लोड करना चाहिए। एक सदस्य ने यह भी कहा कि महाविद्यालय किसी की बात नहीं मानते हैं, विश्वविद्यालय से डरते नहीं है और अपनी मन-मर्जी के हिसाब से काम करते हैं। इसलिए इनके विरुद्व कठोर से कठोर कार्यवाही की जाना चहिए।

डॉ0 के0एस0 ठाकुर ने कहा कि निरीक्षण समितियों में सदस्यों को मिलने वाला मानदेय बन्द होना चाहिए। साथ ही निरीक्षण के समय विश्वविद्यालय का कोई भी एक अधिकारी समिति में शामिल होना चाहिए एवं महाविद्यालय द्वारा सम्पूर्ण व्यवस्था पूर्ण होने पर ही विश्वविद्यालय में उसे सम्बद्धता प्रदान करना चाहिए।

-------2

बैठक में यह भी बात सामने आई कि जब निरीक्षण समितियॉ निरीक्षण करने के लिए महाविद्यालयों पर पहुॅचती हैं तो महाविद्यालय के पुस्तकालय में पुस्तकें, कम्प्यूटर एवं समस्त प्रकार के उपकरण रहते हैं परन्तु जब समितियॉ निरीक्षण करने के बाद लौट आती हैं तो सामान वापिस कर दिया जाता है। महाविद्यालय पुनः खाली हो जाता है। समापन उद्‌वोदन कुलपति प्रो० किदवई ने दिया।

प्रो० जे०एन० गौतम, कुलाधिसचिव ने अपने विचार व्यक्त किये एवं डॉ० एच०एस० त्रिपाठी ने नियमों की जानकारी सभा के समक्ष प्रस्तुत की। अंत में आभार कुलसचिव प्रो० आनन्द मिश्र द्वारा व्यक्त किया गया।

**जनसम्पर्क अधिकारी**

प्रतिलिपिः–

सम्पादक ------------------------------ की ओर भेजकर निवेदन है कि कृपया उपरोक्त प्रेस विज्ञप्ति को अपने लोक प्रिय समाचारपत्र में समाचारवृत्त के रूप में प्रकाशित करने का कष्ट करें।